

WELCOME YOU

WWW.RSNOTES.IN

HTET 2011 (SOLVED PAPERS)

**FOR MATHEMATICS AND SCIENCE
TEACHER**

HINDI LANGUAGE

YOU CAN DOWNLOAD CTET, HTET, RTET, HPTET, UPTET, MPTET,
KTET, GTET AND OTHER STATE TET EXAM OLD PAPER, HTET
SAMPLE PAPERS, CTET ONLINE TEST,
RTET FREE BOOKS, FROM

WWW.RSNOTES.IN

YOU CAN ALSO DOWNLOAD SAMPLE PAPERS, OLD QUESTION
PAPERS, FREE STUDY MATERIAL, FREE BOOKS, STUDY
MATERIAL IN HINDI OF SSC, UPSC, NDA, CDS, BANK PO, BANK
CLERK, LIC

भाग - II/PART - II

भाषा - I (हिन्दी)/LANGUAGE - I (HINDI)

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों (प्रश्न सं० 31-35) के उत्तर सबसे उचित विकल्प चुनकर दीजिए :

लोकगीत अपनी लोच, ताजगी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न हैं। लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं। घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं ये। इनके लिए साधना की जरूरत नहीं होती। त्योहारों और विशेष अवसरों पर ये गाए जाते हैं।

एक समय था जब शास्त्रीय संगीत के सामने इनको हेय समझा जाता था। अभी हाल तक इनकी बड़ी उपेक्षा की जाती थी। पर इधर साधारण जनता की ओर जो लोगों की नजर फिरी है तो साहित्य और कला के क्षेत्र में भी परिवर्तन हुआ है। अनेक लोगों ने विविध बोलियों के लोक-साहित्य और लोकगीतों के संग्रह पर कमर बाँधी है और इस प्रकार के अनेक संग्रह अब तक प्रकाशित भी हो गए हैं।

वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में है। इनका संबंध देहात की जनता से है। चैता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि मिर्जापुर, बनारस और उत्तर प्रदेश के पूरबी और बिहार के पश्चिमी जिलों में गाए जाते हैं। बाउल और भतियाली बंगाल के लोकगीत हैं। हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल संबंधी गीत पंजाबी में और ढोला-मारू आदि के गीत राजस्थानी में बड़े चाव से गाए जाते हैं।

31. 'देहात की जनता' का तात्पर्य है

- (1) कस्बे का जनसमुदाय
- (2) ग्रामीण जनसमुदाय
- (3) शहरी जनसमुदाय
- (4) आदिवासी जनसमुदाय

32. 'कजरी' गायी जाती है

- (1) उत्तर प्रदेश में
- (2) आसाम में
- (3) गुजरात में
- (4) राजस्थान में

33. 'नजर फिरी है' का तात्पर्य है

- (1) उपेक्षा करना
- (2) दृष्टिकोण में परिवर्तन आना
- (3) अवलोकन करना
- (4) कुदृष्टि डालना

34. जनता का संगीत है

- (1) लोकगीत
- (2) फिल्म संगीत
- (3) शास्त्रीय संगीत
- (4) पाश्चात्य संगीत

35. 'बाउल' कहाँ का लोक संगीत है ?

- (1) गुजरात
- (2) उत्तर प्रदेश
- (3) बिहार
- (4) बंगाल

36. 'त्' की ध्वनियाँ हैं

- (1) त् + ऋ
- (2) त + र
- (3) त् + ऋ + अ
- (4) त्र + अ

37. निम्न में से कौन-सा समूह 'विष्णु' के पर्यायवाची शब्दों का है ?

- (1) सुदेश, चक्रपाणि, चतुर्भुज, फणीश
- (2) चक्रपाणि, चतुर्भुज, शेषशायी, गरुडध्वज
- (3) शेखर, शशांक, दामोदर, विठ्ठल
- (4) महीधर, वैनतेय, वासव, देवराज

A

(12)

38. निम्न में से तद्भव शब्द है
 (1) कुमार (2) कुक्कुर
 (3) काजल (4) कोण
39. निम्न में से शुद्ध शब्द पहचानिए
 (1) सहानुभूती (2) अश्रू
 (3) अनुपातिक (4) ऐतिहासिक
40. 'पतझड़' में समास है
 (1) करण तत्पुरुष (2) कर्म तत्पुरुष
 (3) बहुव्रीहि (4) द्वन्द्व
41. 'हँसना' कैसी क्रिया है ?
 (1) सकर्मक क्रिया (2) अकर्मक क्रिया
 (3) संयुक्त क्रिया (4) प्रेरणार्थक क्रिया
42. "जो पहले कभी नहीं हुआ हो" कहलाता है
 (1) अद्भुत (2) अप्रत्याशित
 (3) अनुपम (4) अभूतपूर्व
43. निम्न में से सघोष वर्ण है
 (1) अ (2) क
 (3) ख (4) च
44. 'हृषीकेश' की संधि है
 (1) हृषी + केश (2) ऋषी + केश
 (3) हृषीक + ईश (4) ऋषी + ईश
45. टिकाऊ में प्रत्यय है
 (1) ऊ (2) आऊ
 (3) वू (4) उक

46. शब्दकोश में निम्न शब्दों का सही क्रम बताइये
 (1) विश्व, विश्वंभरा, विश्वस्त, विश्वास
 (2) विश्वस्त, विश्व, विश्वंभरा, विश्वास
 (3) विश्वंभरा, विश्वस्त, विश्व, विश्वास
 (4) विश्वंभरा, विश्व, विश्वस्त, विश्वास

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों (प्रश्न सं० 47-51) के उत्तर सबसे उचित विकल्प चुनकर दीजिये :

मोर के सिर की कलगी और सघन, ऊँची तथा चमकीली हो गई। चोंच अधिक बंकिम और पैनी हो गई, गोल आँखों में इंद्रनी की नीलाभ धुति झलकने लगी। लंबी नील-हरित ग्रीवा की हर भंगिमा में धूपछाँही तरंगें उठने-गिरने लगी। दक्षिण-वाम दोनों पंखों में सलेटी और सफेद आलेखन स्पष्ट होने लगे। पूँछ लंबी हुई और उसके पंखों पर चंद्रिकाओं के इंद्रधनुषी रंग उदीप्त हो उठे। रंग-रहित पैरों को गरवीली गति ने एक नयी गरिमा से रंजित कर दिया। उसका गरदन ऊँची कर देखना, विशेष भंगिमा के साथ उसे नीची कर दाना चुगना, पानी पीना, टेढ़ी कर शब्द सुनना आदि क्रियाओं में जो सुकुमारता और सौंदर्य था, उसका अनुभव देखकर ही किया जा सकता है। गति का चित्र नहीं आँका जा सकता।

मोरनी का विकास मोर के समान चमत्कारिक तो नहीं हुआ — परंतु अपनी लंबी धूपछाँही गरदन, हवा में चंचल कलगी, पंखों की श्याम-श्वेत पत्रलेखा, मंथर गति आदि से वह भी मोर की उपयुक्त सहचारिणी होने का प्रमाण देने लगी।

Cat.-2/22

47. प्रस्तुत गद्यांश है
 (1) एक शब्दचित्र (2) एक निबंध
 (3) एक रिपोर्ताज (4) एक कहानी
48. 'रंजित' का तात्पर्य है
 (1) रंगयुक्त (2) आवेश युक्त
 (3) शोभा युक्त (4) इनमें से कोई नहीं
49. मंथर गति होती है
 (1) तेज गति (2) धीमी गति
 (3) लय युक्त गति (4) टेढ़ी गति
50. बंकिम का तात्पर्य है
 (1) टेढ़ा (2) सुंदर
 (3) तीखा (4) कठोर
51. किसकी क्रियाओं में सुकुमारता व सौंदर्य था ?
 (1) मोर की (2) मोरनी की
 (3) तोते की (4) लेखिका की
52. शब्द युग्म अवर - अपर का सही अर्थ है
 (1) अतिरिक्त - निम्न
 (2) निम्न - अन्य
 (3) उच्च - निम्न
 (4) निम्न - उच्च
53. 'किसी वस्तु को गलत समझ लेना' है
 (1) सन्देह (2) संशय
 (3) भ्रान्ति (4) अज्ञान
54. 'पण्डित' से बनी भाववाचक संज्ञा है
 (1) पाण्डित्य (2) पंडिताईन
 (3) पठन (4) ये सभी
55. 'मुद्रा' शब्द का अर्थ समूह चुनिए
 (1) मोहर, छाप, सिक्का, अँगूठी
 (2) चेहरे का भाव, छाप, अँगूठी, प्रति
 (3) नाम, लिखना, सिक्का, छापाखाना
 (4) चोट, छापा, धन, स्टाम्प
56. 'मरने की इच्छा' के लिए एक शब्द है
 (1) मृत्युकांक्षी (2) मुमुर्षा
 (3) मरणेच्छु (4) मरणासन्न
57. निम्नलिखित में से एक अनेकार्थी शब्द 'खग' से संबंधित नहीं है, उसको चुनिए
 (1) मन (2) तीर
 (3) पक्षी (4) आकाश
58. निम्न में से तत्सम शब्द है
 (1) अगम (2) अमिय
 (3) आंवला (4) आशिष
59. निम्न में से कौन शब्द हमेशा बहुवचन में प्रयुक्त होता है ?
 (1) हस्ताक्षर (2) समाचारपत्र
 (3) चिड़िया (4) तिजोरी
60. 'त्यक्त' शब्द का सही विलोम है
 (1) गृहीत (2) त्याज्य
 (3) तुच्छ (4) प्रिय